ओएनजीसी विदेश लि. – भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए विश्व स्तर पर कार्यरत

प्रस्तावना

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन भारत सरकार का एक मिनीरत्न अनुसूची ''क'' केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई), भारत की प्रमुख राष्ट्रीय तेल कंपनी (एनओसी) ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी और एक विदेशी प्रशाखा है।

ओएनजीसी विदेश का प्राथमिक कारोबार तेल एवं गैस का अन्वेषण, विकास और उत्पादन सहित भारत के बाहर तेल एवं गैस रकबों की खोज करना है। ओएनजीसी विदेश की 17 देशों की 38 तेल एवं गैस परिसंपत्तियों में भागीदारी हित है और इसने वित्त वर्ष 17 में घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन का करीब क्रमश: 23.4 प्रतिशत और 18.9 प्रतिशत उत्पादित किया है। भंडार एवं उत्पादन के दृष्टिकोण से ओएनजीसी विदेश अपनी मूल कंपनी ओएनजीसी के बाद भारत की दूसरी सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी है।

वर्तमान परिसंपत्ति पोर्टफोलियो

ओएनजीसी विदेश का 17 देशों की 38 तेल एवं गैस परियोजनाओं में शेयर है, यथा वियतनाम (2 परियोजना), रूस (3 परियोजना), सुडान (2 परियोजना), दक्षिणी सूडान (2 परियोजना), इरान (1 परियोजना), इराक (1 परियोजना), लिबिया (1 परियोजना), म्यांमार (6 परियोजना), सीरिया (2 परियोजना), ब्राजील (2 परियोजना), कोलंबिया (7 परियोजना), वेनेजुएला (2 परियोजना), कजाखस्तान (1 परियोजना), अज़रबैजान (2 परियोजना), मोजाम्बिक (1 परियोजना), बांग्लादेश (2 परियोजना) और न्यूजीलैंड (1 परियोजना)। ओएनजीसी विदेश ने मिडस्ट्रीम में कदम रखा है और वर्ष 2005 में सुडान में 741 किलोमीटर लंबी उत्पाद पाइपलाइन परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की है और भूमध्यसागर के बाकु - ट्बिल्सी - सेहान (बीटीसी) में एक साझीदार है।

ओएनजीसी विदेश एक संतुलित पोर्टफोलियो दृष्टिकोण को अपनाता है और उत्पादनकारी, अन्वेषित और अन्वेषण परिसंपत्तियों के संयोजन को बनाए रखता है। वर्तमान में, ओएनजीसी विदेश का 14 परिसंपत्तियों से तेल और गैस का उत्पादन किया जाता है, 4 परिसंपत्तियां में हाइड्रोकार्बन की खोज की गई है और ये विकास के विभिन्न चरणों में हैं, 16 परिसंपत्तियां अन्वेषण के विभिन्न चरणों में हैं और 4 परियोजना पाइपलाइन परियोजनाएं हैं।

प्रतिस्पर्द्धी क्षमता

ओएनजीसी विदेश इस उद्योग की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्द्धा कर अत्यधिक प्रतिस्पर्द्धी अंतर्राष्ट्रीय तेल एवं गैस क्षेत्र में प्रचालन करता है। पिछले कुछ वर्षों में, ओएनजीसी विदेश ने अपने प्रचालन क्षेत्रों में आंतरिक क्षमता और विशेषज्ञता निर्मित की है। ओएनजीसी विदेश ने

एक्सॉनमोबिल, ब्रिटिश
पेट्रोलियम, शेल, ईएनआई, टोटल, रेप्सोल, स्टैटॉल, शेवरॉन, पेट्रोब्रास, सोडेको, सोकार, रोसनेफ्ट, देवू, का झमुनैगाज़ (केएमजी), पेट्रो वियतनाम, सीएनपीसी, सिनोपेक, पीडीवीएसए, पेट्रोनास,अनाडार्को और इकोपेट्रोल सहित कई आईओसी और एनओसी के साथ मजबूत साझीदारी गठबंधन विकसित किया है। इसके पास उत्कृष्ट तकनीकी और प्रबंधन क्षमताओं वाला निहायत ही कुशल मानव संसाधन है। कंपनी ने तेल एवं गैस परियोजनाओं के मूल्यांकन, व्याख्या, आर्थिक मॉड्लिंग, एफईईडी, डिजाइन और निर्माण की सुविधाएं निर्मित की है और ओएनजीसी से तकनीकी और मानव संसाधन सहायता का लाभ उठाती है। ओएनजीसी विदेश यथोचित सावधानी, तकनीकी वाणिज्यिक मूल्यांकन,बोली वार्ता और अंतरण प्रलेखन में मूलभूत निपुणता विकसित की है।

भंडार

दिनांक 01. 04. 2017 की स्थिति के अनुसार ओएनजीसी विदेश के पास 743 एमएमटीओई का अनंतिम 3पी भंडार है।

उत्पादन प्रदर्शन

ओएनजीसी विदेश मे इक्विटी तेल एवं गैस उत्पादित करने वाली प्रथम भारतीय कंपनी है। ओएनजीसी विदेश का उत्पादन जनवरी, 2003 में वियतनाम के ब्लॉक 06.1 और मार्च, 2003 में सुडान की ग्रेटर नाइल ऑयल परियोजना में उत्पादन से शुरु हुआ, जो वित्त वर्ष 2003 में मात्र 0.25 एमएमटीओई था। इसकी अधिग्रहित परिसंपत्तियों से उत्पादन में सतत संवृद्धि से, ओएनजीसी विदेश का उत्पादन वर्ष 2010 - 11 में 9.448 एमएमटीओई तक पहुँच गया। सुडान और दक्षिणी सुडान की प्रतिकूल भू-राजनीतिक परिस्थितियों और सीरिया की आपात स्थितियों के कारण वर्ष 2012-13 में तेल उत्पादन स्तर गिर कर 7.260 एमएमटीओई रह गया। हालांकि, मुख्यत: बेहतर प्रबंध और पोर्टफोलियो वृद्धि के कारण वर्ष 2013 - 14, 2014 - 15 और 2016 - 17 में उत्पादन बढ़कर क्रमश: 8.357, 8.874 एमएमटीओई और 8.916 एमएमटीओई हो गया। वर्ष 2016 में वैंकोरनेफ्ट में 26 प्रतिशत शेयर के अर्जन के साथ ओएनजीसी विदेश का उत्पादन वर्ष 2016-17 में बढ़कर 12.803 एमएमटीओई हो गया।

संवृद्धि - नया क्षितिज - नया अधिग्रहण

हाल में, ओएनीसी विदेश द्वारा निम्नलिखित नये अधिग्रहण किए गए हैं:

उत्पादनकारी परिसंपत्तियां

(क) मार्च, 2013 में, ओएनजीसी विदेश ने 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अजरबैजान में अपस्ट्रीम में हेस कॉर्पोरेशन में 2.72 प्रतिशत हिस्सा और बीटीसी पाइपलाइन में 2.36 प्रतिशत हिस्से का अधिग्रहण किया है। वर्ष 2016 - 17 के दौरान एसीजी का औसत उत्पादन करीब 612 हजार बैरल प्रतिदिन था।

(ख) दिसंबर, 2013 में, ओएनजीसी विदेश ने 561 मिलियन अमेरिकी डॉलर पर क्रय विचार से कैंपोस ब्लॉक, ब्राजील के गहन समुद्र अपतटीय ब्लॉक बीसी-10 में अतिरिक्त 12 प्रतिशत शेयर अर्जित किया, जिससे इसका प्रतिभागिता हित बढ़कर 23 प्रतिशत हो गया।

(ग) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने रूसी परिसंघ के कानून के अंतर्गत गठित एक कंपनी सीएसजेसी वैंकोरनेफ्ट, जो वैंकोर फील्ड और उत्तरी वैंकोर लाइसेंस का मालिक है, में 2,198 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 256 प्रतिशत इक्विटी (31 मई, 2016 को 15 प्रतिशत और 28 अक्तूबर, 2016 को अतिरिक्त 11 प्रतिशत इक्विटी) का अधिग्रहण किया है। रूस की राष्ट्रीय तेल कंपनी, रोसनेफ्ट तेल कंपनी का वैंकोरनेफ्ट में 50.1 प्रतिशत हिस्सा है। ऑयल इंडिया लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रो रिसोर्सेज लिमिटेड को मिलाकर गठित भारतीय तेल पीएसयू कंसोर्टियम शेष 23.9 प्रतिशत इक्विटी धारित करता है। उत्पादन के दृष्टिकोण से वैंकोर, रोसनेफ्ट (और रूस) का दूसरा सबसे बड़ा फील्ड है और यह रूसी उत्पादन में करीब 4 प्रतिशत का योगदान करता है। इस क्षेत्र से दैनिक उत्पादन औसतन करीब 0.4 मिलियन बीपीडी कच्चा तेल है।

अन्वेषित परिसंपत्तियां

(क) ओएनजीसी विदेश और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) ने विडियोकोन मोजांबिक रोवुमा 1 लिमिटेड में 100 प्रतिशत शेयरों का अधिग्रहण किया, कंपनी मोजांबिक के रोवुमा क्षेत्र 1 अपतटीय ब्लॉक (एरिया 1) में 10 प्रतिशत पीआई धारित करता है, जिसे 7 जनवरी, 2014 को 2,475 मिलियन अमेरिकी डॉलर (ओएनजीसी विदेश का हिस्सा 1511 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पर खरीदा गया था।

(ख) ओएनजीसी विदेश उसी क्षेत्र रोवुमा एरिया 1 अपतटीय ब्लॉक, मोजांबिक में प्रत्यक्ष रूप से भी अंडार्को की एक संबद्ध कंपनी अंडार्को मोजांबिक क्षेत्र 1 लिमिटेड से 2,640 मिलियन अमेरिकी डॉलर पर 10 प्रतिशत पीआई का अधिग्रहण किया है।

अन्वेषणाधीन परिसंपत्तियां

(क) दिसंबर, 2012 में, ओएनजीसी विदेश ने कोलंबिया बोली चरण - 2012 में कोलंबिया के दो अन्वेषण ब्लॉकों का अधिग्रहण किया। प्रथम ब्लॉक जीयूए ओएफएफ - 2 एक अपतटीय ब्लॉक है जो 1171.34 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और कैरिबियन अपतट में ओएनजीसी विदेश द्वारा परिचालित ब्लॉक आरसी - 10 से सटा हुआ है। दूसरा ब्लॉक लायनोस 69, विशाल लायनोस बेसिन का एक अपतटीय ब्लॉक भी उसी बोली चरण के दौरान मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लिमिटेड - ओएनजीसी विदेश और चीनी राष्ट्रीय तेल कंपनी सिनोपेक के बीच बराबर हिस्सेदारी वाला एक संयुक्त उद्यम के माध्यम से अधिग्रहित किया गया था।

(ख) सितंबर, 2013 में, भारतीय तेल पीएसयू के साथ ओएनजीसी विदेश के नेतृत्व वाली 50 :50 कंसोर्टियम को बंगलादेश में उथले समुद्र ब्लॉक नामत: एसएस - 04 और एसएस - 09 आवंटित किए गए थे, इन ब्लॉकों के लिए 8 अगस्त 2014 को पीएससी पर हस्ताक्षर किए गए।

(ग) अक्तूबर, 2013 में, ओएनजीसी विदेश को म्यांमार अपतटीय बोली चरण 2013 में बी2 और ईपी 3 नामक दो अपतटीय ब्लॉक आवंटित किए गए थे। इन ब्लॉकों की पीएससी पर 8 अगस्त 2014 को हस्ताक्षर किए गए।

(घ) ओएनजीसी विदेश ने तारानाकी अपतटीय बेसिन में अवस्थित एक अन्वेषणात्मक संभाव्यता के लिए 'न्यूजीलेंड बोली चरण 2014' के माध्यम से एशिया प्रशांत क्षेत्र में प्रवेश किया है और ओएनजीसी विदेश को 9 दिसंबर 2014 को एक अन्वेषण अनुमति (परमिट) पीईपी 57090 आवंटित किया गया है।